आरती वामनदेव की (हिन्दी)

!! ॐ जय वामन देवा,हरि जय वामन देवा !!

!! बलि रजा कें द्वारे,बलि रजाके द्वारे सन्त करे सेवा
वामन रूप अनुपम छत्र दंड शोभा,हरि छत्र दंड शोभा !!

!! तिलक भालकी मनोहर भक्तन मन मोहा
आगम निगम पुराण बतावे, मुख मंडल शोभा,हरि मुख मंडल शोभा !!

!! करनन कुंडल भूषण,करनन कुंडल भूषण, पार पड़े सेवा
परम कृपाला जाके भूमी तीन पड़ा,हरि भूमी तीन पड़ा !!

!! तीन पाव है, कोई,तीन पाव है कोई बलि अभिमान खड़ा
प्रथम पाद रखे ब्रह्मा लोकमें दुजो धार धरा,हरि दुजो धार धरा !!

!! तृतीय पाद मस्तक पे,तृतीय पाद मस्तक पे,बलि अभिमान खड़ा
रूप त्रिविक्रम हरे,जो सुखमे गावे,हरि जो चित्त से गावे !!

!! सुख सम्पती नाना विध,सुख सम्पती नाना विध,हरि जीसे पावे
ॐ जय वामन देवा,ॐ जय वामन देवा हरि, जय वामन देवा !!

Pandit.com